पिल्वायदे भंगिया घोट ओ गनपत की मम्मी

पिल्वायदे भंगिया घोट ओ गनपत की मम्मी
घोटे घोट घुमाए दे प्यारी रगडा खूब लगाये दे
पिल्वायदे भंगिया घोट ओ गनपत की मम्मी

दुरक लगी भंगिया की तगडी तने नही इब तक रगड़ी
बुज्वाये दे मन की प्यास ओ गनपत की मम्मी
पिल्वायदे भंगिया घोट

भूतो की फ़ौज से आने वाली फेर नही सब जाने वाली
कर जल्दी हो मत लेट ओ गनपत की मम्मी
पिल्वायदे भंगिया घोट

केलाश पे न मुझको जाना भंगियाँ कना हो न पीना खाना
मैं करता रहूँगा वेट ओ गनपत की मम्मी
पिल्वायदे भंगिया घोट

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16884/title/pilwaayede-bhangiyan-ghot-o-ganpat-ki-mummy

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |